शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

विश्व के अन्तरिक्ष अभियान

संकलन

काव्य मंजरी टीम

मिशन शिक्षण संवाद

मिशन शिक्षण संवाद

मिशनशिक्षणसंवाद

Scanned with Cam

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

विश्व के अन्तरिक्ष अभियान

01

डॉन मिशन

सबसे बड़े दो क्षुद्र ग्रह के बीच,
नासा के डॉन ने चक्कर लगाया।।
डॉन मिशन अन्तरिक्ष के कई रहस्य,
उजागर कर वैज्ञानिकों को बताया।।

इस मिशन डॉन को 2007 में,
वैज्ञानिकों ने प्रारम्भ किया।
अन्तरिक्ष यान डॉन का ईंधन,
समाप्त होने पर इसे विफल किया।।

डॉन की अतुलनीय तकनीकी,
के कारण यह बहुत था खास।
11 साल रहस्यमयी जानकारी दी,
इसलिए इसे याद करते आज।।

डॉन करीब साढ़े सात वर्ष का,
सफ़र कर अन्तरिक्ष में पहुँच पाया था।
पृथ्वी से 490 करोड़ किलोमीटर,
चलकर अपने लक्ष्य को पाया था।।

रचना- शहनाज़ बानो (स०अ०)
उ० प्रा० वि० भौंरी
मानिकपुर, चित्रकूट

Scanned with Cam

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

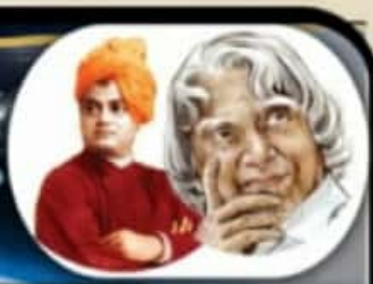

विश्व के अन्तरिक्ष अभियान

02

चन्द्रयान-2

चन्द्रयान-२ कहो,
या द्वितीय चन्द्रयान।
भारत का दूसरा है,
चन्द्र अन्वेषण अभियान।।

इसरो ने विकसित,
किया है यह अभियान।
जिसमें एक रोवर एक लैंडर,
एक चन्द्र कक्षयान।।

22 जुलाई 2019 को,
यह प्रक्षेपित किया गया।
लैंडर लैंडिंग से कुछ दूरी पर,
इच्छित पथ से भटक गया।।

चन्द्रयान 1 के बाद,
अब इसकी बारी है।
जल्द ही सम्पर्क जुड़ जाए,
ऐसी कोशिश जारी है।।

रचना
हेमलता गुप्ता (स० अ०)
प्रा० वि० मुकन्दपुर
लोधा, अलीगढ़

आओ हाथ से हाथ मिलाएं, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएं। 9458278429

Scanned with Cam

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

विश्व के अन्तरिक्ष अभियान

03

चन्द्रयान 1

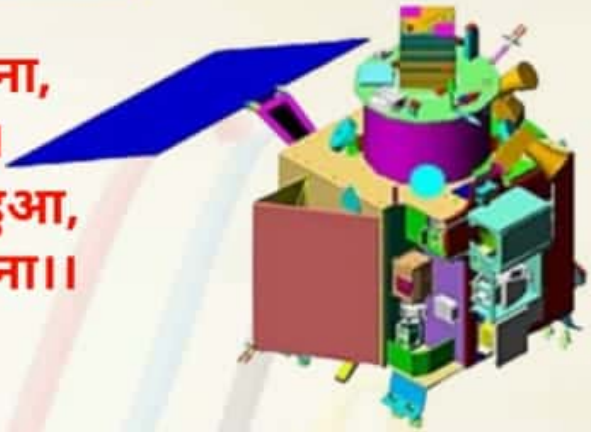

इसरो का पहला मानवरहित अन्तरिक्ष यान बना,
22 अक्टूबर 2008 को चन्द्रमा पर भेजा गया।
5 दिनों में पहुँच चाँद पर, 15 दिनों में स्थापित हुआ,
भारत चाँद पर पहुंचने वाला फिर चौथा देश बना।।

लॉन्च वजन 1.38 किलोग्राम था इसका,
श्री हरिकोटा अन्तरिक्ष केंद्र से प्रक्षेपित हुआ।
दो वर्ष अन्तरिक्ष में रह कर चन्द्रयान ने कार्य किया।
28अगस्त 2009 को पर संपर्क धरती से टूट गया।।

उद्देश्य चन्द्रयान का चन्द्रमा पर पानी व हीलियम की खोज,
चन्द्र सतह की फोटो लेकर धरती पर रहा था भेज।
चाँद पर पानी की खोज भारत की थी उपलब्धि महान,
पानी है अनमोल सभी को देता जीवनदान ।।

घनाकार सा आकार था इसका, संचार एक्स बैंड का था,
नेतृत्व कस्तूरीरंगन और माधवन नायर का था।
टेलीमेट्री, ट्रैकिंग कमांड नेटवर्क से देखा गया,
प्रक्षेपण हेतु अन्तरिक्ष वाहन पीएसएलवी था।।

रचना - डॉ० नीतू शुक्ला (प्र०अ०)
मॉडल प्राइमरी स्कूल बेथर 1
सिकंदरपुर कर्ण - उन्नाव

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान।

Scanned with Cam

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

विश्व के अन्तरिक्ष अभियान

04

गैलीलियो अन्तरिक्ष यान

गैलीलियो अमेरिकी अन्तरिक्ष यान जो,
नासा ने था किया तैयार।
बृहस्पति और उसके उपग्रहों का,
अध्ययन करने भेजा उस बार।।

18 अक्टूबर 1989 पृथ्वी से यह छोड़ा गया,
7 दिसम्बर 1995 को बृहस्पति पर पहुँच गया।
देखे बृहस्पति पर गैलीलियो ने अमोनिया के बादल,
चौदह साल काम करके इसे काल ने लिया निगल।।

परिक्रमा करने वाले आर्बिटर का था एक प्रकार,
2380 कि०ग्रा० गैलीलियो का था वजन अपार।
भेजे चित्र बृहस्पति के गैलीलियो ने पहली बार,
चौदह हजार चित्र भेजे और तूफानी इसकी रफ्तार।।

इक्कीस सितम्बर दो हजार तीन को,
खत्म हुआ इसका कार्यकाल महान।
खतरनाक होने के डर से जलाकर,
समाप्त कर दिया गया यह यान।।

रचना
शिखा वर्मा (इं०प्र०अ०)
उ० प्रा० वि० स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर

आओ हाथ से हाथ मिलाएं, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएं।

9458278429

Scanned with Cam

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

विश्व के अन्तरिक्ष अभियान

05

मंगल यान

सूर्य केंद्र में रहता है,
अष्ट-ग्रह का संचरण विधान।
उन ग्रहों के बारे में जानने,
हेतु चले हैं कई अभियान।।

'इसरो' ने भेजे हैं अब तक,
कितने ही अन्तरिक्ष यान।
मंगल ग्रह के मिशन हेतु,
छोड़ा इसने मंगलयान।।

नाम औपचारिक इसका तुम,
'मंगल कक्षित्र मिशन' मानो।
भारत का प्रथम मंगल अभियान
'मार्स ऑर्बिटर मिशन' जानो।।

5 नवम्बर 2013 को,
आन्ध्र प्रदेश से छोड़ा गया।
सफल अभियानों की सूची में,
नाम इसका जोड़ा गया।।

रचना-
श्रीमती पूनम गुप्ता "कलिका"
(स०अ०) प्रा० वि० धनीपुर,
धनीपुर, जनपद अलीगढ़

Scanned with Cam

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

विश्व के अन्तरिक्ष अभियान

06

मैगलन अन्तरिक्ष यान

मैगलन अन्तरिक्ष यान,
वजन था 1035 किग्रा।
था यह यान रोबोटिक,
उपयोग किए एपर्चर रडार सिन्थेटिक।।

4 मई 1989 में नासा ने शुरू किया,
फर्डिनेंड मैगलन थे पुर्तगाली खोजकर्ता।
उनके नाम पर इसे मैगलन नाम मिला,
फ्लोरिडा कैनेडी स्पेस सेन्टर से उड़ाया गया।।

भेजा गया इसे शुक्र की सतह पर,
प्रथम ग्रह अन्तरिक्ष यान बनकर।
अटलांटिस से उड़ान भरकर,
उपनाम पाया वीनस रडार मैपर।।

शुक्र की सतह का किया मानचित्रण,
नापा वहाँ ग्रहीय गुरुत्वाकर्षण।
1990-1994 तक किया शुक्र परिक्रमण,
वहाँ भूमि में बताया विस्तृत ज्वालामुखीकरण।।

रचना-
रीना (स० अ०)
प्रा० वि०- सालेहनगर
वि० क्षेत्र- जानी, जनपद- मेरठ

Scanned with Cam

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

विश्व के अन्तरिक्ष अभियान

07

अन्तरिक्ष यान :- मैसेंजर

अन्तरिक्ष यान मैसेन्जर की गाथा को आज हम जाने,
3अगस्त2004 को किया नासा ने लॉंच इसको पहचाने।।
मानव रहित रोबोटिक यान,बना अमेरिका की ये शान,
कम ऊँचाई से ही ले लेता ये सारे ग्रहों की तस्वीरें जाने॥

2004 में हुआ था रवाना,बुध ग्रह पर था इसको जाना,
18 मार्च 11 से किया शुरू,इसने बुध के चक्कर लगाना।
3.91किमी०/से० थी चाल,485 किलो था इसका भार,
बुध से टक्कर पर 160मी० व्यास से उड़ायी धूल अपार॥

ईंधन खत्म होना बना इसके विनाश का कारण,
फिर जलते गोले का किया था इसने रूप धारण।
अपने कर्म से किया जग में इसने अपना नाम,
16 साल का हुआ था ये,अन्तरिक्ष मैसेन्जर यान॥

अभिलाषा शर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० गंगोह नं०- 2,
गंगोह, सहारनपुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

Scanned with Cam

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

विश्व के अन्तरिक्ष अभियान

08

अन्तरिक्ष यान :- मंगल ओडिसी

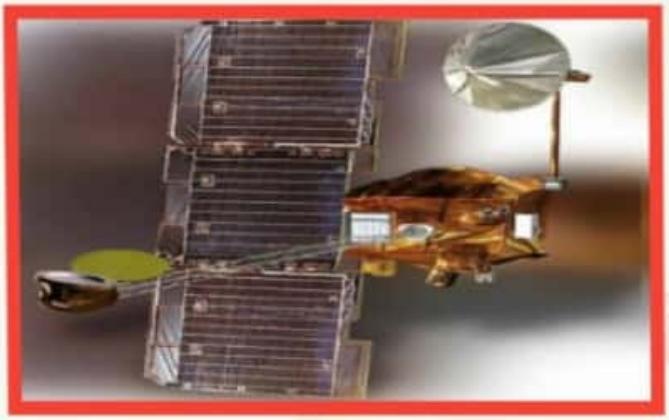

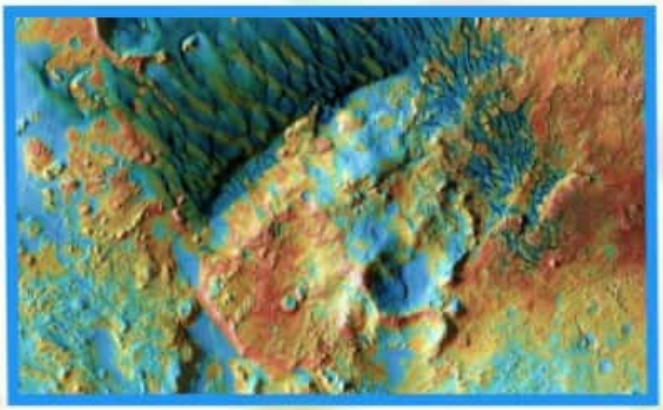

नासा के द्वारा 7 अप्रैल 2001 में,
फ्लोरिडा के एयरफोर्स स्टेशन से।
मंगल ग्रह की परिक्रमा करने वाला,
मंगल-ओडिसी यान लांच हुआ॥

ओडिसी अनोखा यान बना है जिसका,
थैमिस-सिस्टम दिन-रात काम है करता।
मंगल ग्रह के तापमान को भी ये मापता,
तस्वीरें भी दिन-रात है यह लेता।।

मंगल पर सबसे ज्यादा रहने वाला,
मंगल ओडिसी यान पहचाना जाता।
मंगल ओडिसी यान मंगल ग्रह पर,
पानी होने का साक्ष्य बताता॥

मंगल-ओडिसी आर्बिटर ने,
मंगल के उत्तरी ध्रुव में जाकर।
दुनिया भर में पहचान है पायी,
मार्स पर नीले रंग की तस्वीरें लेकर।।

शिप्रा सिंह (स०अ०)
उ०प्र०वि० रूसिया
अमौली, फतेहपुर

Scanned with Cam

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

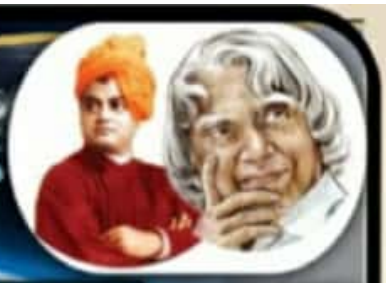

विश्व के अन्तरिक्ष अभियान

09

पायोनियर कार्यक्रम

अन्तरिक्ष शोधयानों की थी श्रृंखला,
सौरमण्डल के ग्रहों पर अनुसंधान किया।
शामिल थे कई रॉकेट व यान,
सबसे प्रसिद्ध पायोनियर यान।।

पायोनियर 10 अमेरिकी अन्तरिक्ष यान,
नासा ने 1972 को अन्तरिक्ष में छोड़ा यान।
एस्ट्रॉयड बेल्ट पार करने वाला,
बना पहला मानव कृत यान।।

प्रसिद्ध पायोनियर कार्यक्रम,
संयुक्त राज्य अमेरिका का उपक्रम।
मानव इतिहास में सबसे पहले,
भेजा शनि, बृहस्पति की तस्वीरों का क्रम।।

रचना
सुमन पांडेय (प्र०अ०)
प्रा०वि०टिकरी-मनौटी
खजुहा, फतेहपुर

Scanned with Cam

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

विश्व के अन्तरिक्ष अभियान

10

आर्यभट्ट उपग्रह

महान खगोलशास्त्री आर्यभट्ट,
थे प्रथम वैज्ञानिक भारत के।
पहला स्वदेशी उपग्रह भारत का,
विख्यात हुआ आर्य भट्ट के नाम से।।

उन्नीस अप्रैल उन्नीस सौ पचहत्तर को,
सोवियत संघ के सहयोग से।
कॉसमॉस-3 एम प्रक्षेपण द्वारा,
प्रक्षेपित हुआ कास्पुतिन यान से।।

अनुभव, शोध, खोज को मिले बढ़ावा,
एक्सरे, चिकित्सा के सुविधाएँ हो बेहतर।
खगोल और सौर भौतिकी उद्देश्य बना,
बढ़े जानकारी,जिससे बने योजना बेहतर।।

1.4 मी० व्यास था, इस उपग्रह का,
चार दिन बाद दुर्भाग्य हुआ भारत का।
अन्तरिक्ष कक्ष से बन्द हुए संकेत सभी,
1997 तक दो रुपये की नोट में छवि छपी।।

रचना- प्रतिमा उमराव (स०अ०)
उच्च प्रा०वि०अमौली (1-8)
अमौली, फतेहपुर

Scanned with Cam

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

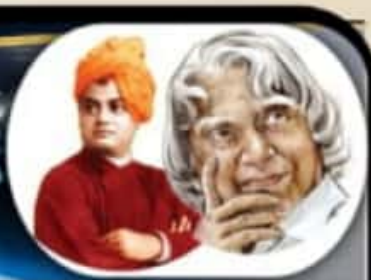

विश्व के अन्तरिक्ष अभियान

11

रोहिणी उपग्रह

भारतीय संगठन इसरो ने,
परचम नया फहराया था।
रोहिणी उपग्रह स्थापित कर,
नाम जगत में कमाया था।।

रोहिणी केवल एक उपग्रह नहीं,
कड़िया चार उपग्रहों की थी।
एपीजे कलाम की अध्यक्षता में,
इस कार्य ने विजय पायी थी।।

पहला रोहिणी प्रौद्योगिकी पेलोड,
आंशिक रूप से सफल हो पाया।
दूसरा आर एस वन था जिसने,
कक्षा में स्थापित हो नाम कमाया।।

तीसरा उपग्रह आर एस डी वन था,
श्रीहरिकोटा से सब हुए प्रमोचित।
चौथा आर एस डी टू था जो हुआ,
कक्ष में सात साल में पुनः प्रवेशित।।

रचना
सीमा मिश्रा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० काजीखेड़ा
खजुहा, जनपद- फतेहपुर

Scanned with Cam

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

विश्व के अन्तरिक्ष अभियान

12

प्रोजेक्ट अपोलो

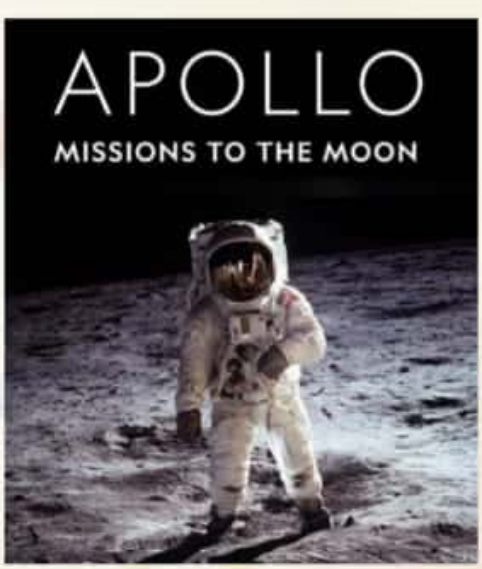

अपोलो प्रोजेक्ट एजेंसी अन्तरिक्ष स्पेस,
एडमिनिस्ट्रेशन द्वारा स्थापित किया गया।
जुलाई 1960 में संयुक्त राष्ट्र संघ का तीसरा,
मानव अन्तरिक्ष यान कार्यक्रम घोषित हुआ।।

1969 से 1972 तक क्रियवान कार्यक्रम,
चन्द्रमा पर मनुष्यों को उतारने में सफल रहा।
इस परियोजना की कुंजी और प्रक्षेपण श्रेय,
सैटर्न बैलिस्टिक रॉकेट का पूर्ण विकास रहा।।

इस कार्यक्रम में चन्द्रमा पर वैज्ञानिकों ने,
छः मानव अवतरण से चन्द्रमा पर अध्ययन किया।
बहुत सारी असफलताओं के बावजूद दो,
सबसे बड़ी उपलब्धियों को हासिल किया।।

इस अभियान का नामांकन सूर्य के,
ग्रीक देवता अपोलो को समर्पित था।
नील आर्मस्ट्रांग चन्द्र की सतह पर चले,
कैनेडी का अपोलो 11 उडान में सफल रहा।।

रचना
नीलम भास्कर (स०अ०)
उ० प्रा० वि० सिसाना
बागपत, बागपत

Scanned with Cam

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

विश्व के अन्तरिक्ष अभियान

13

वीनस एक्सप्रेस

ग्रहों में अपनी चमक से,
शुक्र है अंतरिक्ष की शान।
इसके अन्वेषण के लिए,
शुरू हुए वीनस एक्सप्रेस अभियान।।

9 नवम्बर 2005 में यह छोड़ा गया,
शुक्र के लिए यह यान।
सात वैज्ञानिक उपकरणों से लैस,
इसने शुरू किया अपना अभियान।।

शुक्र के लिए यह था पहली,
लम्बी अवधि का प्रेक्षण।
सात साल की अवधि में,
शुक्र पर किए अनेक अन्वेषण।।

शुक्र के वातावरण का किया,
इसने गहन अध्ययन।
आठ वर्षों के परिश्रम के उपरान्त,
ईंधन की कमी से खत्म हुआ अभियान।।

रचना- इला सिंह
उच्च प्रा० वि०पनेरूवा
अमौली, फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

Scanned with Cam

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

विश्व के अन्तरिक्ष अभियान

14

वायेजर

वायेजर प्रथम एक अन्तरिक्ष शोध यान,
5 सितंबर 1977 को लाँच किया गया।
इसे हमारे सौर मंडल और उसके
वातावरण की खोज के लिए भेजा गया।।

इस यान ने गुरु और शनि
ग्रहों तक की यात्रा है की।
सबसे पहले इन ग्रहों के
चन्द्रमाओं की तस्वीरे भेजीं।।

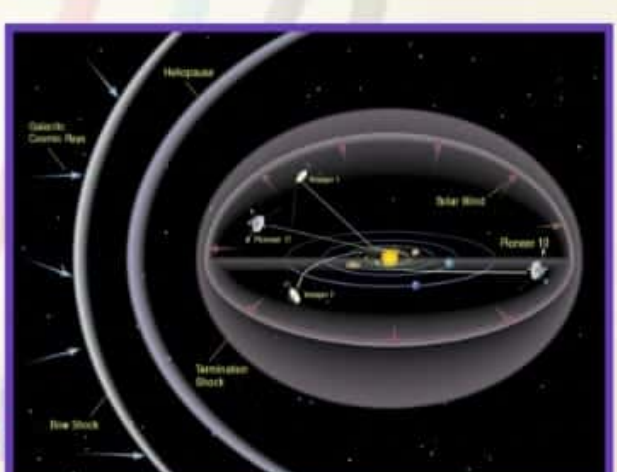

वायेजर एक से भेजे संकेत पृथ्वी तक,
आने में तेरह घण्टे का समय लगाया।
वायेजर एक को मैरीनर अभियान के
मैरीनर ग्यारह यान की तरह बनाया।।

वायेजर एक मानव निर्मित सबसे दूरी,
पर स्थित पहला शोध यान है।
यह सूर्य और पृथ्वी दोनों से दूर अनन्त,
अन्तरिक्ष में अब भी गतिमान है।।

रचना
ज्योति सागर (स०अ०)
उ० प्रा० वि० सिसाना
बागपत, बागपत

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान।

Scanned with Cam

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

विश्व के अन्तरिक्ष अभियान 15

मंगल एक्सप्रेस

यूरोपीय अन्तरिक्ष एजेंसी का,
मंगल मिशन है मार्स एक्सप्रेस।
2 जून 2003 को प्रक्षेपित हुआ,
मंगल का अन्वेषण करें जाकर स्पेस।।
"इसा' एजेंसी का है यह पहला ग्रह अभियान
गति और दक्षता के लिए 'एक्सप्रेस' दिया नाम।
मार्स एक्सप्रेस में मार्कशीट उपकरण है लगा हुआ,
रेडियो तरंगे इससे ही मंगल धरातल पर भेजा गया।।
कुछ तरंगे धरातल अन्दर तक पहुँच गयी,
तलछटों और चट्टानों एवं पानी से टकरा गयी।
परावर्तित रेडियो तरंगों के बल मापन में,
मंगल एक्सप्रेस महत्वपूर्ण भूमिका निभायी।।

रचना-
वन्दना यादव 'ग़ज़ल'
अभि० प्रा० वि० चन्दवक
डोभी, जौनपुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

आओ हाथ से हाथ मिलाएं, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएं। 9458278429

Scanned with Can

मिशन शिक्षण संवाद

विश्व के अन्तरिक्ष अभियान

रचनाकारों की सूची

01- शहनाज़ बानो, चित्रकूट
02- हेमलता गुप्ता, अलीगढ़
03- डॉ० नीतू शुक्ला, उन्नाव
04- शिखा वर्मा, सीतापुर
05- पूनम गुप्ता, अलीगढ़
06- रीना, मेरठ
07- अभिलाषा शर्मा, सहारनपुर
08- शिप्रा सिंह, फतेहपुर
09- सुमन पांडेय, फतेहपुर
10- प्रतिमा उमराव, फतेहपुर
11- सीमा मिश्रा, फतेहपुर
12- नीलम भास्कर, बागपत
13- इला सिंह, फतेहपुर
14- ज्योति सागर, बागपत
15- वन्दना यादव, जौनपुर

तकनीकी सहयोग

1- जितेन्द्र कुमार, बागपत
2- सुधांशु श्रीवास्तव, फतेहपुर

मार्गदर्शन- राजकुमार शर्मा, चित्रकूट

संकलन

मिशन शिक्षण संवाद

Scanned with Cam